ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-९३ **टेलीफोन -०६२७४-२४०२६६**
दिनांक-सोमवार,२४ दिसम्बर,२०१८

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २३.८ एवं ७.१ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८४ सुबह में एवं दोपहर में ५८ प्रतिशत, हवा की औसत गति १.५ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.३ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १०.५ एवं दोपहर में २१.५ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा, रात्री एवं सुबह में कुहासा देखा गया।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२५ से २९ दिसम्बर, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २५ से २९ दिसम्बर,२०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ एवं मौसम के शुष्क रहने की संभावना है।
- अधिकतम तापमान २१ से २३ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ५ से ७ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है। रात्री एवं सुबह में कुहासा छा सकता है।
- औसतन ८ से १० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५५ से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- पहली सिंचाई के बाद गेहूँ की फसल में कई प्रकार के खर-पतवार उग आते है। यह गेहूँ की बुआई के ३० से ३५ दिनों के बाद की अवस्था है। इन खरपतवारों का विकास काफी तेजी से होता है और ये गेहूँ की बढ़वार को प्रभावित करती है। जिससे उपज प्रभावित होता है। इन सभी प्रकार के खरपतवारों के नियंत्रन हेतु सल्फोसल्फयुरॉन ३३ ग्राम प्रति हेक्टर एवं मेटसल्फयुरॉन २० ग्राम प्रति हेक्टर दवा ५०० लीटर पानी में मिलाकर खड़ी फसल में पर छिड़काव करें।
- खड़ी फसलों जैसे आलू, गाजर, मटर, टमाटर, धनियाँ, लहसून में झुलसा रोग की निगरानी करें। इस रोग में फसलों की पत्तियों के किनारे व सिरे से झुलसना प्रारंभ होती है जिसके कारण पुरा पौधा झुलस जाता है। इस रोग के लक्षण दिखने पर २.५ ग्राम डाई-इथेन एम० ४५ फफूँदनाशक दवा का प्रति लीटर पानी की दर से घोल बना कर समान रुप से फसल पर छिड़काव करें।
- गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई अतिशीघ्र संपन्न करें। *पी०बी०डब्लू० ३७३, एच०डी० २२८५, एच०डी० २६४३, एच०यू०डब्लू० २३४, डब्लू०आर० ५४४, डी०बी०डब्लू० १४, एन०डब्लू० २०३६, एच०डी० २९६७ तथा एच०डब्लू० २०४५* किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुशसित हैं।
- गेहुं की जो फसल २१-२५ दिनों की हो गई हो, में सिंचाई कर प्रति हेक्टेयर ३० किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार करें। गेहूँ की फसल में यदि दीमक का प्रकोप दिखाई दें तो बचाव हेतु क्लोरपायरीफॉस २० ई० सी० २ लीटर प्रति एकड़ २०-२५ किलोग्राम बालू में अथवा उर्वरक में मिलाकर खेत में शाम को छिड़क दें।
- अगात मक्का की फसल जो ५० से ५५ दिनों की हो गयी हो, उसमें सिचाई कर ५० किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन कर मिट्टी चढ़ा दे।
- पिछात बोयी गई आलू की फसल से खरपतवार निकालें एवं आवश्यकतानुसार १०-१५ दिनों के अन्तराल में सिंचाई करें। आलू में कीट व्याधि की निगरानी नियमित रुप से करें।
- सब्जियों में निकाई-गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। मटर की फसल में अच्छे फलन के लिए २ प्रतिशत यूरिया के घोल का छिड़काव करें। कीट-व्याधी की निगरानी करें।
- प्याज की रोपाई पाँक्ति से पाँक्ति की दुरी १५ से०मी०, पौध से पौध की दुरी १० से०मी० पर करे। पौध की रोपाई अधिक गहराई में नहीं करें।
- चना की फसल में चना की सुंडी की निगरानी करें। इस कीट से फसल को काफी हानी होती है। शुरु में यह सुंडी चने की पत्तियों एवं कोमल टहनीयों को क्षती पहुँचाती है। फलिया आ जाने पर सुंडी फलों में छेद कर घुस जाती है तथा अन्दर ही अन्दर दाने को खाती रहती है। फलियाँ खोखला हो जाने पर दुसरे स्वस्थ फलियों को खाती है। खेत में इसे चने के फलियों में आधी अन्दर तथा आधी बाहर की ओर लटका देखा जा सकता है। अत्यधिक प्रक्रोप की स्थिती में प्रोफेनोफॉस ५० ई०सी० दवा का १.५ लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से ६०० से ८०० लीटर पानी में मिलाकर फसल पर छिड़काव करें।
- पशुओ को रात में खुले स्थान पर नहीं रखें। बिछावन के लिए सुखी घास या राख का उपयोग करें। निम्न तापमान के कारण दुधारु पशुओं के दुध में आयी कमी को दूर करनें के लिए हरे एवं शुष्क चारे के मिश्रण के साथ नियमित रुप से दाने एवं कैल्सियम खिलाये।

आज का अधिकतम तापमानः २४.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.० डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः ६.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.५ डिग्री कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी